भारतीय ज्ञानपीठ Bharatiya Jnanpith

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 2017

वर्ष 2017 का नवलेखन पुरस्कार आलोक रंजन को

भारतीय ज्ञानपीठ की नवलेखन पुरस्कार योजना के अंतर्गत वर्ष 2017 के लिए दिये जाने वाले पुरस्कारों के लिए वरिष्ठ लेखक, पत्रकार विष्णु नागर की अध्यक्षता में गठित निर्णायक समिति द्वारा सर्वसम्मति से आलोक रंजन की दक्षिण भारत पर केन्द्रित यात्रा-वृतांत की पांडुलिपि को दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

केरल में पदस्थापित श्री आलोक रंजन का यात्रा-विवरण दक्षिण भारत की सघन तस्वीर प्रस्तुत करता है। विशेष रूप से आलोक रंजन केरल के दुर्गमतम इलाकों में गये हैं। इस तरह के यात्री और यात्रा-विवरण हिंदी में अब दुर्लभ हैं। आलोक रंजन के पास ग़जब का भाषा-संयम है और प्रकृति तथा लोगों से लगाव है। उनमें तमाम असुविधाओं में यात्रा करने का साहस है और चुनौती स्वीकार करने का माद्दा है।

पुरस्कृत लेखक को 50 हज़ार का नगद पुरस्कार, प्रशस्ति-पत्र और वाग्देवी की प्रतिमा प्रदान की जाएगी। पुरस्कृत पांडुलिपि को भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित भी किया जाएगा।

निर्णायक समिति के अन्य सदस्य थे- श्री मधुसूदन आनंद, श्री ओम निश्चल और श्री देवेन्द्र चौबे।

(लीलाधर मंडलोई)
निदेशक, भारतीय ज्ञानपीठ

ज्ञानपीठ पुरस्कार • मूर्तिदेवी पुरस्कार • नवलेखन पुरस्कार
18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, पोस्ट बॉक्स नं. 3113, लोदी रोड, नई दिल्ली-110 003
फोन : 011-2462 6467, 2465 4196, 2469 8417, 2465 6201 फैक्स : 011-2465 4197
18, Institutional Area, Post Box No. 3113, Lodhi Road, New Delhi-110003
e-mail: sales@jnanpith.net, marketing@jnanpith.net, nayagyanoday@gmail.com, bjnanpith@gmail.com
www.jnanpith.net